(c) and (d) Some Federations/ Corporations have been unable to utilise the entire export quota for 1995-96 for variety of reasons including financial difficulties, insufficient procurement of cotton or not getting adequate buyers for their quality of cotton etc.

Statement

Agency-wise details of quantity of cotton released & exported during 1994-95, 1995-96 and for the current year as on date.

(in lakh bales of 170 kg. each)

	Agency Corporation	1994-95		1995-96		1996-97	
		Quota released	Actual export	Quota released	Actual export	Quota released	Actual export
1.	Maharashtra	0.250	0.003	4.20	4.166	1.00	0.285
2.	Gujarat Fed.	—	—	1.15	1.070	1.00	
3.	Punjab Fed.	—	—	0.15	0.138	0.25	
4.	Haryana Fed.	—	—	0.05	0.047	0.05	
5.	Rajasthan	—	—	0.10	—	0.15	
6.	A.P. Fed.	—	—	0.15	0.034	1.00	
7.	Tamil Nadu Fed.	—	—	—	—	—	
8.	Karnataka Fed.	—	—	0.25	0.006	0.25	
9.	M.P. Corp.	—	—	—	—	0.05	
10.	A.P. Girijan	—	—	0.25	—	—	
11.	M.P. Fed.	—	—	—	*0.089	0.10	
12.	Punjab Spin Fed.	—	—	—	—	0.25	
					*Spill over of 1994-95		
	TOTAL	0.250	0.003	6.10	5.550	4.10	0.285

कपड़ा, सिले-सिलाए परिधान, सूती धागे और कपास का निर्यात

1926. **श्री राम जेठमलानी:** क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि पिछले वर्षों से देश कपड़े, सिले-सिलाए परिधान, सूती धागे और कपास का निर्यात कर रहा है;

(ख) यदि हां, तो वर्ष 1993-94, 1994-95 और 1995-96 के दौरान कुल उत्पादित कपड़े, सिले-सिलाए परिधान, सूती-धागे और कपास का कुल कितना प्रतिशत निर्यात किया गया;

(ग) क्या यह भी सच है कि कपास सूती धागे, कपड़े और सिले-सिलाए परिधानों के निर्यात से देश ने विदेशी मुद्रा का अर्जन किया है; और

(घ) यदि हां, तो उपरोक्त वर्षों में इन मदों के निर्यात से अर्जित विदेशी मुद्रा का वर्ष-वार और मद-वार ब्यौरा क्या है?

वस्त्र मंत्री (श्री आर० एल० जालप्पा): (क) जी हां।

(ख) सिले-सिलाए परिधानों से संबंधित उत्पादन आंकड़े उपलब्ध नहीं है। देश से निर्यातित कपड़ा सूती यार्न तथा कपास, जैसी सम्बन्धित वस्तुओं के कुल उत्पादन की प्रतिशतता के रूप में अभिव्यक्त; पिछले तीन वर्षों से प्रायः निम्नानुसार रही है;—

	1993-94	1994-95	1995-96
कपास	3.2	0.8	7.3
सूती यार्न	10.5	13.5	13.8
कपड़ा	6.3	7.5	6.9

(ग) जी हां।

(घ) इन मदों से पिछले तीन वर्षों के दौरान लगभग वसूली निम्नानुसार रही है:—

(मूल्य मिलियन अमरीकी डालर में)

	1993-94	1994-95	1995-96
कपास	75.95	26.56	390.39
सूती यार्न	512.97	832.34	1011.54
कपड़ा	1143.64	1511.05	1823.73
सिले सिलाए परिधान	3713.65	4433.83	4453.31

हथकरघों और विद्युत करघों द्वारा कपड़े का उत्पादन

1927. **श्री राम जेठमलानी:** क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्ष 1993-94, 1994-95 और 1995-96 के दौरान मिलों, विद्युत करघों और हथकरघों द्वारा उत्पादित कपड़े की मात्रा कितनी-कितनी है;

(ख) क्या सरकार द्वारा कथित क्षेत्रों में उत्पादित किए जाने वाले कपड़े की मात्रा का कोई लक्ष्य भी निर्धारित किया गया था; और

(ग) यदि हां, तो निर्धारित लक्ष्यों का क्षेत्रवार और वर्ष-वार ब्यौरा क्या है?

वस्त्र मंत्री (श्री आर० एल० जालप्पा): (क) वर्ष 1993-94, 1994-95 तथा 1995-96 के दौरान मिलों, विद्युतकरघों तथा हथकरघों द्वारा पृथक रूप से उत्पादित कपड़े की मात्रा निम्न प्रकार रही है:—

(मि० वर्ग मीटर)

क्षेत्र	1993-94	1994-95	1995-96
मिल	1990	2271	2019
विद्युत करघा	15994	15976	17201
हथकरघा	5851	6180	7202

(ख) और (ग) इन वर्षों के दौरान उपर्युक्त क्षेत्रों द्वारा कपड़े के उत्पादन के लिए कोई क्षेत्रवार आंकड़े निर्धारित नहीं किए गए थे तथापि सभी क्षेत्रों (मिल, हथकरघा, विद्युतकरघा, हौजरी तथा खादी) के संबंध में 8 वीं पंचवर्षीय योजना के लिए वस्त्र उद्योग पर कार्यकारी समूह द्वारा प्रक्षेपित अनुसार कपड़े के कुल उत्पादन के आंकड़े निम्न प्रकार थे:—

(मि० वर्ग मीटर)

वर्ष	सभी कपड़े
1993-94	24494
1994-95	26075
1995-96	27,774

Financial crisis of Handloom and Powerloom sector in Maharashtra

1928. MISS SAROJ KHAPARDE: Will the Minister of TEXTILES be pleased to state;

(a) whether it is a fact that the handloom and powerloom sectors in Maharashtra are facing financial crisis and a number of such units have closed down in the recent past;

(b) if so, the details thereof; and

(c) the remedial measures Government propose to take to save the handloom and powerloom sector in the State?

THE MINISTER OF TEXTILES (SHRI R.L. JALAPPA): (a) to (c): As per information made available by the Government of Maharashtra, the handloom sector is facing problem of finance due to non availability of adequate working capital and processing facilities as per requirement. The NABARD, Cooperative and Commercial banks are to provide refinance assistance to the Handloom sector. Efforts have been made by the State Govt. for arranging outlets to Handloom products and setting up of processing house at Nagpur. The Handloom sector in the State of Maharashtra was provided assistance by the Central Government to the tune of Rs. 917.68 lakhs under various Handloom Development Schemes